पैरागन कान्वेंट स्कूल

कक्षा - तीन

पाठ - १

प्रभु विनती

१ कठिन शब्द

1. कुंज
2. जोहता
3. सौंदर्य
4. दीनबंधु
5. दृगों
6. वतन
7. बेबस
8. विस्तार
9. अधीर
10. सुजन

२ शब्दार्थ पुस्तक के पृष्ट क्रमांक ८ से स्वयं करें।

३ निम्नलिखित शब्दों से वाक्य स्वयं बनाए।

1. वतन -
2. अधीर -
3. बेबस -
4. सुमन -
5. कुंज -
6. सुजन -

४ लघु उत्तरीय प्रश्न

क) कवि प्रभु को कहाँ-कहाँ ढूँढ़ता है ?

उत्तर - कवि प्रभु को कुंज और वनों में ढूँढ़ता है।

ख) ईश्वर हमें कहाँ - कहाँ मिलते है ?

उत्तर - ईश्वर हमें दीन के वतन में और दुखियों के द्वार पर मिलते है।

ग) विभिन्न धर्मों में ईश्वर किस -किस रूप में उपस्थित हैं ?

उत्तर - विभिन्न धर्मों में ईश्वर ज्ञान, ईमान और विश्वास के रूप में उपस्थित है।

घ) कविता का क्या नाम है?

उत्तर - कविता का नाम ' प्रभु विनती' है।

५ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

क) कवि ईश्वर का इंतजार कहाँ - कहाँ करता है ?

उत्तर - कवि ईश्वर का इंतजार कुंज, चमन और वनों में करता है

ख) दी गई पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिये -

तू ज्ञान ---------- सुजन में।।

उत्तर - इन पंक्तियों से आशय है कि-

भगवान हिन्दुओ में ज्ञान के रूप में , मुस्लिमों में ईमान के रूप में , क्रिश्चनों में विश्वास के रूप में और सज्जन लोगों में सत्य के रूप में उपस्थित होते है।

पुस्तक अभ्यास कार्य

१ दिए गए प्रश्नो के सही विकल्प चुनिए -

क) चमन में ख) विश्वास ग) असहाय घ) रामनरेश त्रिपाठी

भाषा बोध

१ दिए गई वाक्यों में विशेष्य छाँट कर।

क) ईश्वर ख) कोयल ग) घोड़ा घ) बतख

२ दिए गए वाक्यों के काल लिखिए।

क) वर्तमान काल ख) भविष्यत् काल ग) भूत काल घ) वर्तमान काल

३ दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिये।

क) सुन्दर ख) सुरीला ग) कर्णधार घ) पवित्र ड) मेधावी